छत्तीसगढ़ के बस्तर में मिली माओवादियों की सुरंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **माओवाद प्रभावित बीजापुर में एक ऑपरेशन से लौट रहे सैनिकों को नक्सलियों द्वारा खोदी गई 130 फीट लंबी सुरंग का पता चला है।**

मुख्य बिंदु:

- लगभग दो दशक पहले उग्रवाद शुरू होने के बाद से**यह बस्तर में इस तरह की पहली खोज है और इसने उग्रवाद विरोधी अभियानों में जटिलता की एक परत जोड़ दी है।**
- ज़िला रिज़र्व गार्ड के जवानों को रायपुर से लगभग 330 किमी. दक्षिण में **इंद्रावती के तट पर ताड़ोपोट गाँव के पास सुरंग मिली।**
- ऐसी सुरंग की खोज से संकेत मिलता है कि माओवादी **सुरक्षा अभियानों और हवाई निगरानी को तेज़ करने** से निपटने के लिये रणनीति बदल रहे हैं।

भारत में वामपंथी उग्रवाद

- वामपंथी उग्रवादियों को विश्व के अन्य देशों में **माओवादियों के रूप में और भारत में नक्सलियों** के रूप में जाना जाता है।
- **नक्सलवाद शब्द का नाम पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लिया गया है** । इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी।
    - **विद्रोह की शुरुआत वर्ष 1967 में कानू सान्याल और जगन संथाल के नेतृत्व में** मेहनतकश किसानों को भूमि के उचित पुनर्वितरण के उद्देश्य से की गई थी।
- **यह आंदोलन छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित पूर्वी भारत के राज्यों में फैल गया है।**
- यह माना जाता है कि नक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और विचारधारा का समर्थन करते हैं।
    - **माओवाद,** साम्यवाद का एक रूप है जो**माओत्सेतुंग द्वारा विकसित** किया गया है। इस सिद्धांत के**समर्थक सशस्त्र विद्रोह, जनसमूह और रणनीतिक गठजोड़ के संयोजन से राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने में विश्वास रखते हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maoist-tunnel-found-in-chhattisgarh-s-bastar